

What is Arya Samaj?

Arya Samaj founded by Maharishi Dayanand Saraswati is an institution based on the teachings of Vedas for the welfare of universe.
It propagates the universal doctrines of humanity.
It is neither a religion nor a sect.

ARYAN VOICE

YEAR 41

10/2019-20

MONTHLY

October 2019

Diwali

Saturday 26th October 2019

Arya Samaj Bhavan - 6pm

This is a free event, but for catering purposes, please book your place by calling – 0121 359 7727 or
E-mail - enquiries@arya-samaj.org

Car Parking on Sunday Congregation – Car owners can safely park their cars on Rookery Road where there is SINGLE YELLOW LINE.

321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR.

Tel - 0121 359 7727

Website - www.arya-samaj.org

E-mail – enquiries@arya-samaj.org

Charity registration number 1156785

facebook <https://www.facebook.com/aryasamajwestmidlands/>

CONTENTS

10 Principles of Arya Samaj	3
वेदों में विज्ञान-४ - आचार्य डॉ. उमेश यादव	4
एक विचार - द्वारा श्रीमती निर्मल परिंजा	8
Venue Hire Advert	9
Gaytri Maha Yajna – By Mrs B.B. Duggal	10
Gayatri Mantra	13
Accounts 2018 -2019	14
Children's Corner - The Loyal Mongoose	16
Matrimonial Service information	18
News (पारिवारिक समाचार)	19
Appeal for donation	23
New Building Refurbishment Fund	25
Fee for services provided by Arya Samaj West Midlands	26
Happy Diwali	27

For General and Matrimonial Enquiries

Please Ring

Miss Raji (Rajashree) Chauhan (Office Manager)

Monday to Friday between: - 2.30pm to 6.30pm,

Wednesday: - 11.00am to 1.00pm.

Bank Holidays – Closed - Tel. 0121 359 7727

E-mail- enquiries@arya-samaj.org

10 Principles of Arya Samaj

- 1. God is the primary source of all true knowledge and all that is known by its means.(At the beginning of creation, nearly 2 Billion years ago, God gave the knowledge of 4 Vedas to four learned Rishis named Agni, Vayu, Aditya and Angira. Four Vedas called Rig Ved, Yajur Ved, Sam Ved and Atharva Ved contain all true knowledge, spiritual and scientific, known to the world.)**
- 2. God is existent, intelligent and blissful. He is formless, omnipotent, just, merciful, unborn, infinite, invariable (unchangeable), having no beginning, matchless (unparalleled), the support of all, the master of all, omnipresent, omniscient, ever young (imperishable), immortal, fearless, eternal, holy and creator of universe. To him alone worship is due.**
- 3. Vedas are the scripture of all true knowledge. It is paramount duty of all Aryan to read them, teach and recite them to others.**
- 4. All human beings should always be ready to accept the truth and give up untruth.**
- 5. All our actions should be according to the principles of Dharma i.e. after differentiating right from wrong.**
- 6. The primary aim of Arya Samaj is to do good to the human beings of whole world i.e. to its physical, spiritual and social welfare.**
- 7. All human beings ought to be treated with love, justice and according to their merits as dictated by Dharma.**
- 8. We should all promote knowledge (Vidya) and dispel ignorance (Avidya).**
- 9. One should not be content with one's own welfare alone but should look for one's welfare in the welfare of all others.**
- 10. In matters which affect the well being of all people an individual should subordinate any personal rights that are in conflict with the wishes of the majority. In matters that affect him/her alone he/she is free to exercise his/her human rights**



वेदों में विज्ञान-४

आचार्य डॉ. उमेश यादव

यज्ञो वै भुवनस्य नाभिः-तैत्ति. ब्राह्मण-३.९.५.५ - यज्ञ विश्व का केन्द्र है । सभी प्रकार के पदार्थों चाहे वह भोज्य हो या औषधि, वृक्ष-वनस्पति, जल, हवा आदि तमाम पदार्थों को शुद्ध करने में यज्ञ सहायक है । इस कारण यह विश्व का केन्द्र/मूल माना गया ।

यज्ञ में जो पदार्थ प्रयुक्त होते हैं हम थोड़ा उनका विचार करें । समिधा, सामग्री, घी और स्थालीपाक ये तीन वस्तुओं का प्रयोग होता है । इनकी खाश मात्रा, हवन कुण्ड के आकार-प्रकार, इन पदार्थों से आहुतियों की मात्रा व संख्या आदि सब ज्ञान व विधि पर्यावरण को शुद्ध करने में महत्त्वपूर्ण हैं ।

यज्ञ-कुण्ड को हमें वैज्ञानिक तरीके से ही बनाना होगा । शुल्बसूत्रों में इनकी विधि विस्तार से मिलती है । इसकी व्याख्या विस्तार से महर्षि दयानन्द सरस्वती ने संस्कार विधि में भी दी है । वहाँ से हमें इसकी पूरी ज्यामिति (ज्योमेटरी) देख लेनी चाहिये । अब एक-एक करके यज्ञ में प्रयुक्त होने वाले पदार्थों पर विचार करते हैं ।

समिधा- हमें विचार करना है कि जो लकड़ी यज्ञ-अग्निहोत्र में प्रयुक्त होती है, वह समिधा कहलाती है । ऐसी लकड़ी का चयन हो जो सुखी हो, स्थाईरूप से जलने वाली हो, जलकर पूर्णतया राख बन जाने वाली हो, कोयला बनाने वाली लकड़ी न हो और सबसे बड़ा विचार हो कि वह लकड़ी कार्बन डाई आक्साइड कमसे कम मात्रा में छोड़े जिससे नुकसान कम हो और अन्य उपयोगी बनने वाली गैसों से वतावरण की शुद्धि अधिक हो । यह भी ध्यान हो कि धुआँ भी न हो या अत्यन्त न्यूनतम हो । इसके लिये वेदों में बताये गये तथा आयुर्वेद से अनुमोदित लकड़ियाँ ही समिधारूप प्रयुक्त होने योग्य हैं । आम, पीपल, शमी, गुलर, पलाश/ढाक, बड़, बिल्व/बेल आदि ही हैं ।

अन्य देशों में उत्पन्न कुछ ऐसे ही गुणों से युक्त लकड़ियों का प्रयोग किया जा सकता है पर वैज्ञानिक उनका परीक्षण करें । कई ठोस लकड़ियाँ शीशम जैसी निषिद्ध हैं जो कार्बन डाई आक्साइड अधिक छोड़ते हैं । जो वृक्ष फलदार होंगे, तैलिये होंगे, जलने में हल्के होंगे उनकी ही सुखी लकड़ी यज्ञार्थ स्वीकृत होगी ।

घृत- अथर्ववेद ६.३२.१ के अनुसार गोघृत वातावरण को शुद्ध करने में सर्वाधिक समर्थ है पर अग्नि में पड़कर ही यह घी शुद्धिकरण की अपार शक्ति प्राप्त कर पाता है । गाय का घी यज्ञ में स्वीकृत है । इससे निकलने वाली गैसों शरीर को स्वस्थ करने में उपयोगी है । याज्ञिक को निरोग बनाकर तेजोमय बलिष्ठ बना देता है । इसमें रोगनिरोधक तत्त्व पाये जाते हैं । घी विष नाशक होता है । अग्नि में जाकर तो और ही गुणकारी हो जाता है जिससे वायुमंडल की यथार्थ शुद्धि होती है । पुराना घी को सुंघाने से तो साँप का जहर भी कम हो जाता है ।

गोघृत से यज्ञ करके कई रोगों का भी ईलाज करने में कई वैद्य इसका प्रयोग किया करते हैं । अस्थमा, क्षय रोग आदि में विशेष कर । वायु-प्रदूषण कम होने पर जाहिर सी बात है कि वहाँ रोगात्मक किटाणु कम होंगे अतः एव जहाँ यज्ञ होता है, वहाँ रोगात्मक वायरस और बैक्टेरिया कम पाये जाते हैं ।

यज्ञ में तीव्र घी अर्थात् पीघला हुआ घी ही प्रयोग होता है । घृतं तीव्रं जुहोतन-समिधादान मंत्र-३ देखने योग्य है । यह घी सीधेरूप से अग्नि को जलते रहने मदद करता है । धुआं नहीं होने देता और प्रयुक्त समिधा-सामग्री-स्थालीपाकादि को भस्म कर राख बनाने में अत्यन्त उपयोगी है । अतः हमें तीव्र घी अर्थात् पूर्ण पीघाला घी ही प्रयोग में लाना चाहिये ।

सामग्री- सामग्री में कई प्रकार की वस्तुयें मिलती हैं । इसमें चार बातों का ध्यान देना होता है । मिलने वाले पदार्थ १. सुगन्धित हों, २. पुष्टिकारक हो, ३. रोगनाशक हो और ४. मिष्ट पदार्थ । एक-एक हम जानें-

सुगन्धित पदार्थ- कस्तूरी, केसर, अगर, तगर, चन्दन, जायफल, जावित्री, इलायची, कर्पूर आदि । ये सब वस्तुयें अग्नि में जलकर वायु को सुगन्धित कर उन्हें शुद्ध करती हैं । इस तरह की सुगन्धि से रोगकारक किटाणु भी मरते हैं ।

पुष्टिकारक पदार्थ- घी अपने आप में एक पुष्टिकारक तत्व है । इसी तरह दूध, फल, मूल, कन्द, गेहूँ, चावल, जौ, तिल, उड़द आदि । अग्नि में जलकर ये वस्तुयें और अधिक बलकारक बन जाती हैं तथा मनुष्य वा उस वातावरण में रहनेवाले अन्य प्राणियों को भी स्वस्थ कर बलवान बनाती हैं ।

रोगनाशक- इसमें विशेष कर औषधियाँ होती हैं- जैसे गिलोय, गूगल, अपामार्ग (चिरचिटा), तुलसी, सोमलतायें आदि । अलग-अलग रोगों में इन्हें डालकर यज्ञ करके यज्ञोपैथी वैद्य इनका प्रयोग करते हैं । इससे विभिन्न रोगों का निवारण सम्भव है ।

मिष्टपदार्थ- गुड़, शकर, किशमिश, छुहारा, द्राक्ष-दाख, अंगुर, मुन्नका, बादाम, काजू, नारियल आदि । इन वस्तुओं में वायुमंडल को शुद्ध करने की असाधारण शक्ति होती है । साथ रोगनाशक भी हैं ।

स्थालीपाक- यज्ञ में विशेष आहुतियों के लिये कुछ खाश पाक बनाये जाते हैं । हलवा, मोहनभोग, मीठा चावल, देशी घी का लड्डु, खीर, पुआ आदि मिष्ठान वा बिना नमक की खिचड़ी । इन सब पाकों में गोघृत का मिश्रण होता है या घी विशेष डालकर ही आहुतियाँ दी जाती हैं ताकि वातावरण में खुष्की न रहे । स्वस्थ वायुमंडल हो जो मनुष्यादि प्राणियों को भी स्वस्थ बनाने में मदद करे ।

महर्षि दयानन्द ने अपनी महत्त्वपूर्ण पुस्तक संस्कार विधि में इसका विस्तार लिखा है । ये सब पदार्थ अग्नि से मिलकर और अधिक शक्तिशाली हो जाते हैं, अपने सूक्ष्म व गैसीय रूपों से वायुमंडल को और अधिक शुद्ध कर सकने में समर्थ हो जाते हैं । इस प्रक्रिया में विज्ञान का प्रभाव होता है । वैज्ञानिक रूप से रासायनिक प्रतिक्रिया होती है और इनसे बनी गैसों का लाभ वातावरण को मिलता है । विस्तृत ज्ञान के लिये महर्षि दयानन्द की संस्कार विधि का सामान्यप्रकरण पढ़ने योग्य है । इन्हें होमद्रव्य से जाना जाता है ।

ओ३म् एक विचार

द्वारा श्रीमती निर्मल परिंजा

गोत्र व जाति व्यवस्था

भारतीय परम्पराओं में गोत्र-व्यवस्था का पर्याप्त महत्त्व है। विशेषतया विवाह के अवसर पर वर-वधु के गोत्र का परिचय दिया जाता है। यद्यपि वर्तमान समय में इसका विशेष महत्त्व नहीं रह गया है बल्कि गोत्र के भ्रम से गोत्र व जाति को आज कल सम्मिलित कर दिया गया, तथापि वेदों में इसकी जो व्याख्या दी गयी है वह काफी ज्ञानप्रद है। हम प्रायः मानते हैं कि गोत्र ऋषियों के नाम पर है और यह यथार्थ ही है जिनका विशेष अर्थ वेदों में स्पष्ट है। उदाहरण के लिये कुछ गोत्रों के नाम और उनके अर्थ प्रस्तुत करती हूँ। इनके नाम व उन नामों के सामान्य अर्थ अपनी खोज के आधार पर लिखना चाहूँगी –

अत्रि- काम-क्रोध-लोभ-रहित। कश्यप- ज्ञानी। कौशिक- द्বেषरहित। गौतम- प्रशस्त इन्द्रियों वाला। गर्ग- ब्रह्मचारी, ज्ञानोपदेशक। जमदग्नि:- दीप्त जठराग्नि वाला, राष्ट्र- रक्षक।	पराशर- शक्तिशाली, शत्रुओं का संहार करने वाला। भरद्वाज- शक्तिशाली, रक्षा करने वाला । भृगु (भार्गव)- ज्ञानाग्नि में परिपक्व। वशिष्ठ- उत्तम वसुओं वाला अर्थात् ऐश्वर्य वाला। शौनक- जीवन को सुखी बनाने वाला।
--	---

आशा है मेरी इस खोज से पाठकों का मनोरंजन होगा।

Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands

Newly Refurbished Venue Hire

Our new home at 321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR has been newly refurbished and is the perfect venue for you to hire for all your events.

Venue Information:

- **Main Banqueting Hall Seating up to 300+ guests**
 - **Function/Dining Hall With Stage**
 - **Yajna Shala (Havan Room)**
 - **Kitchen Facilities**
 - **On site cleaner**
 - **Parking for events**
 - **Hindu Priest Service**

Our venue is perfect for Weddings, Engagements, Anniversaries, Birthdays for all ages, Religious Ceremonies, Community Events, Family Parties, Meetings, Wakes and all other functions.

**For more information or viewings please call us on
0121 359 7727**

**Monday to Friday between: - 2pm to 6pm,
Except Wednesday: - 10.30am to 1.00pm
Bank Holidays – Closed**

Excellent rates – Vegetarian ONLY – No Alcohol

GAYTRI MAHA YAJNA

Gaytri Maha Yajna for this year took place on 1st September 2019. In preparation of our greatest yearly Yajna that is participated in by most of our members, the Trustees led by our President/Chairman Dr. Narendra Kumar decided to have new windows fitted in our Swami Shraddhnand Hall and this work was carried out in time for the event. Over 130 people attended and participated in the Maha Gaytri Yajna with great devotion. The whole event was video recorded by Astha Television Channel and will be broadcasted in the very near future.

A day before the event a team of eight volunteers namely: Mr. Parimal Somani, Mr. Vinod Gulati, Mr. J.P. Sethi, Mrs. Neerja Dandona, Ms Bimla Saund, Dr. Narendra Kumar, Mrs. Brij Bala Duggal and Acharya Yadav Ji, worked with vigour and devotion to set up both halls. Four Havan Kunds were set up and all items such as Ghee, Samagri, Samidha, Dry fruits and Yajnopavits were made easily accessible in readiness for the Havan/Yajmans. A team of volunteers were also designated tasks for the big day which they dutifully carried out.

Mrs. Minu Aggarwal sponsored the rishi langar for the day. Mrs. Saroj Adhalakha made a donation of £150 for the purchase of ghee, smagari and dry fruits. Mr. Ravinder Renukunta and Mr. Rajesh Salota plus many other members also provided tins of ghee and fruit etc. Mrs. Gagan Malhotra, Mrs. Shama Kumar and Mrs. Santosh Sethi prepared halwa for parsad.

This year, the day began with the hoisting of Arya Samaj flag by the Trustees followed by singing of the Dwajarojan Bhajan by Mrs. Shama Kumar, Mrs. Brij Bala Duggal, Mrs. Shanti Yadav, Bimla Saund, Mrs. Vibha Cale and Mrs. Renuka Chandan. Acharya ji then asked members to take up their positions around the Havan Kunds. Dr. Kumar and his wife initiated the beginning of the Havans and there were at least 16 families and friends participating at each of

the 'Sitting'. Everyone was seen to be taking part religiously and concentrating on the Mantras being chanted by Acharya ji.

After the third round was completed, Acharya Ji blessed everyone and prayed for their happiness, good health and prosperity. He added that everyone should achieve their desired goals and wishes. The feeling of being blessed on the day of Maha Gaytri Yajna is indeed something that cannot be explained in words.

After each sitting was completed, people went towards tables where Halwa and fruits were offered as Prasad. Participants also donated money to volunteers sitting to collect donations who issued receipts for their donations. About £2000 were collected altogether on this day.

Dr. Narendra Kumar thanked everyone for taking part in this most sacred event of the year. He explained the true meaning of Gayatri Mantra. He then informed members about the current situation with regard to Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands financial position. He made an appeal to all present to donate whatever amount, no matter how small, they can via standing order. Names of people who have already completed Standing Order forms were read out as well as the amounts they were donating every month.

The event went very smoothly and was concluded, about 1.50pm, with 'Shanti Path'. Everyone headed towards the Maharishi Dayanand Saraswati for Rishi Langar.

Arriving at the entrance of our Maharishi Dayanand Saraswati Hall people were served "Thandai" (Milk and Nuts drink) by Mr. Kuku Oberoi and his family members. This was a great gesture by the family and it was very much enjoyed and appreciated. People then made their way to the buffet tables where hot delicious food was being served.

Written by Mrs. B.B. Duggal

Secretary/Board of Trustees/Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands.



GAYATRI MANTRA

**OM BHURBHUVAH SVAH
TATSAVITURVARENYAM
BHARGO DEVASYA DHEEMAHI
DHIYO YO NAH PRACHODAYAAT.**

Meaning of Gayatri Mantra:-

- **(OM)** IS THE MAIN NAME OF ALMIGHTY GOD WHICH INCLUDES ALL OTHER NAMES OF GOD.
- **(BHUH)** HE IS LIFE OF LIFE.
- **(BHUVAH)** HE IS THE PROTECTOR FROM ALL THE PAINS.
- **(SWAH)** HE IS ALL BLISS AND GIVER OF ALL BLISS TO HIS DEVOTEES
- **(SAVITUH)** HE IS CREATOR OF ALL UNIVERSE, THE ILLUMINATOR OF ALL THE LUMINOUS BODIES LIKE SUN ETC. THE GIVER OF ALL WISDOM AND WEALTH
- **(DEVASYA)** WE ESTABLISH HIM IN OUR HEART AS MOST DESIRABLE AND VICTORIOUS
- **(VARENYAM)** MOST SUPERIOR TO ACCEPT AND MEDITATE.
- **(BHARGAH)** HE BURNS ALL PAINS AND IS HOLY, SACRED AND PURE BY NATURE.
- **(TAT)** TO THAT ALMIGHTY GOD
- **(DHEMAHI)** WE SHOULD ACCEPT AND HOLD.
- **(YAH)** THAT ALMIGHTY GOD
- **(NAH)** OUR
- **(DHIYAH)** MIND IN BEST ATTRIBUTES, DEED AND NATURE (HABBIT & TEMPERAMENT).
- **(PRACHODAYAT)** INSPIRE US.

ARYA SAMAJ (VEDIC MISSION) WEST MIDLANDS

**Statement of Financial Activities
for the Year Ended 31 March 2019**

		2019 Unrestricted fund	2018 Total funds
	Notes	£	£
INCOME AND ENDOWMENTS FROM			
Donations and legacies		70,453	76,557
Investment income	2	<u>29,355</u>	<u>1,018,022</u>
Total		99,808	1,094,579
EXPENDITURE ON			
Raising funds	3	-	112,702
Charitable activities			
Repairs & Renewals		5,592	387
Cleaning & Equipment Maintenance		446	306
Donations and dakshinas		213	6,887
Women's Help Centre		7,896	-
Water Rates		1,023	360
Professional & Legal Costs		-	4,020
Light & Heat		2,234	6,647
Telephone Exp.		1,106	694
Print, Post & Stationary		1,692	2,048
Wages and national insurance		22,995	20,698
Insurance		1,816	1,116
Bank Charges		-	80
Book Publications		-	233
Food & Drink		8,353	4,254
Sundry Cost		-	51
Sermons on radio		900	1,000
VVM, GMY, Diwali and Charity Dinner Event		2,620	351
Aryan Voice publication		4,335	2,055
Independent Examiners Fee		<u>480</u>	<u>480</u>
Total		60,901	164,369
NET INCOME		38,907	930,210
RECONCILIATION OF FUNDS			
Total funds brought forward		<u>1,127,033</u>	<u>196,823</u>
TOTAL FUNDS CARRIED FORWARD		<u>1,165,940</u>	<u>1,127,033</u>

ARYA SAMAJ (VEDIC MISSION) WEST MIDLANDS

**Balance Sheet
At 31 March 2019**

	Notes	2019 Unrestricted fund £	2018 Total funds £
FIXED ASSETS			
Tangible assets	8	1,086,348	869,319
CURRENT ASSETS			
Debtors	9	7,508	9,570
Cash at bank and in hand		<u>72,564</u>	<u>248,623</u>
		80,072	258,193
CREDITORS			
Amounts falling due within one year	10	(480)	(479)
NET CURRENT ASSETS		<u>79,592</u>	<u>257,714</u>
TOTAL ASSETS LESS CURRENT LIABILITIES		<u>1,165,940</u>	<u>1,127,033</u>
NET ASSETS		<u>1,165,940</u>	<u>1,127,033</u>
FUNDS	11		
Unrestricted funds		<u>1,165,940</u>	<u>1,127,033</u>
TOTAL FUNDS		<u>1,165,940</u>	<u>1,127,033</u>

Please note these details are PART of the overall accounts. Full set of accounts can be found on Charity Commission website from November 2019 or you can request from Arya Samaj Office.

Children's Corner

Panchatantra Tales

THE LOYAL MONGOOSE

Once there was a farmer who lived with his wife and his infant son in a village. The farmer and his wife loved their son very much.

One day, while returning from the fields, the farmer found a little mongoose lying near the road. It looked pale and hurt. The farmer picked it up and brought it to his home. He told his wife that the little mongoose would be a pet for their son. His wife did not like the idea of having a mongoose near their son but accepted reluctantly.

The farmer tendered to the wounds of the mongoose and gave it food and water. The mongoose recovered very quickly. The farmer's son and the mongoose started growing together.

One day the farmer's wife had to go to the market. She put her son to sleep and told her husband to look after him. She told him not to let the mongoose go near their son. She somehow felt that it is not safe to let the animal go near their son. The husband assured her that he would look after the baby.

Soon after his wife had left for the market, the farmer was called by the local moneylender. The moneylender wanted his money to be returned that he had lent to the farmer, some time back. The farmer had a good harvest that season and had the money ready with him.

The baby was sleeping and thus the farmer could not take the child with him. He placed the child in his cradle and left him with the mongoose. He believed that the mongoose was an intelligent animal and could take care of their son.

After some time, the farmer's wife came back with a basketful of vegetables. She found the mongoose waiting for her outside the house.

She looked at the mongoose and realized that something was not right. The face and paws of the mongoose were covered with blood. She was dumbstruck.

“You dirty creature, you have killed my son” she cried and struck the mongoose on the head with her basket full of vegetables.

She ran inside and was relieved to find the baby sleeping peacefully in his cradle. But on the floor lay a black snake, torn into pieces and bleeding. The snake appeared very poisonous.

The farmer’s wife realized what had happened. The mongoose must have seen the snake and realizing that it might harm the baby, the mongoose would have torn the snake into pieces.

But what had she done! She rushed back to the mongoose.

With tears in her eyes, she lifted the heavy basket and bent down to look at him. The ‘loyal’ mongoose was dead.

Moral: Always think before you acting.



Matrimonial Service

Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands is dedicated to its matrimonial members to provide a service that will help members find a partner for marriage within our community. We feel it is time to make a few changes to help with this process and move forward with the times.

Changes we have made in 2018:

Website:-

- A new data base on the website that will give members an option to add a **photo** if they wish and a space for members to write a **bio** about themselves and what they are looking for in a partner.
- Existing members would have received a letter with information about what we need from you to update your profile. Once you have received this letter please fill it out and send back to us soon as possible, so we can update our **NEW** data base and you can start using the new system.

Matrimonial Service:-

- Members will now be given the **option** to directly contact each other or have the **option** for parents to contact each other.
- All **new** members will be contacted by the office staff for phone conversation during the application process.
- We are also looking in to ways of making our Matrimonial events more successful.
- **Now on facebook -**
<https://www.facebook.com/aryasamajwestmidlands/>

News

Please note

Car Parking for members on Sunday Congregation can safely park their cars on Rookery Road where there is SINGLE YELLOW LINE.

Free Yoga Lesson

**With Dr. Dheeraj Prakash Joshi Yogacharya
Every Thursday - 7pm – 8.15pm
ALL ARE WELCOME!**

Congratulations:

- Mr. Rajive Bali and family - Havan for naming ceremony of their grandson Ryan son of Mr. Vipul and Mrs. Yashika Bali on 8th September 2019 in Arya Samaj West Midlands yajna shala. Wishing Ryan good education, health, prosperities and happiness

Many congratulations to all the mentioned families who have had auspicious havan at their residences On different occasions Or Sunday Vedic Satsangs In Arya Samaj Bhavan.

Donations:

- | | |
|--------------------|-----|
| • Dr P.D. Gupta | £15 |
| • Mr Atul Aggarwal | £11 |
| • Dr P.D. Gupta | £21 |
| • Mrs Vipul Bali | £51 |
| • Mr Viraesh Joshi | £11 |
| • Mr Ram Dev Arora | £30 |

Donations to Arya Samaj West Midland through the Priest-Services:

- | | |
|--------------------|------|
| • Mrs. Anita Rupal | £50 |
| • Mr. Pulkit Ahuja | £101 |

Donations for Gayatri Maha Yajna on
Sunday 01.09.2019

• Dr Saroj Adlakha	£150
• Mr Ravinder Renukunta	£111
• Dr Umesh Kathuria	£51
• Mrs Vibha Cale	£51
• Mrs B.B. Duggal	£51
• Dr H. V. Arya	£51
• Mr Rajiv Bali	£51
• Miss Anurag Agarwal	£51
• Mr V.K. Bahal	£51
• Mr Joginder Pal Sethi	£51
• Mr Karamjit Gaddu	£51
• Mr Anand Vrat Chandan	£51
• Dr Narendra Kumar	£51
• Dr Meenal Thakral	£51
• Mr Harish Malhotra	£51
• Mrs G.S. Dass	£51
• Gupt Dan	£50
• Dr B.K. Singh	£50
• Mrs Vinodini Modi	£31
• Mrs V Dodd	£31
• Mr Ashok Bakshi	£31
• Mr V.P. Rawal	£21
• Mr Vinod Gulati	£21
• Dr N.K. Aggarwal	£21
• Mrs Ved Datta	£21
• Mrs Sudarshan Arora	£21
• Mr Kucko Oberai	£21
• Dr Paul Nischal	£21
• Mrs Raj Mehta	£21

- Mr Prakasho Joye £21
- Mrs Usha Jain £21
- Mr Satpal Vohra £21
- Mrs Kailash Spolia £21
- Mrs Sudeha Gupta £21
- Mr T.R. Sarin £21
- Mrs Inderjit Sharma £20
- Donations made under £20 £97

TOTAL = £1579

Members who pay donations by standing order

Name	Amount	Payment
Dr Narendra & Mrs Shama Kumar	£81	Yearly
Anonymous	£100	Yearly
Dr Narendra & Mrs Shama Kumar	£20	Monthly
Mrs Kanti Bajaj	£20	Monthly
Mrs Nirmal Prinja	£15	Monthly
Dr Saroj Adlakha	£15	Monthly
Dr P.D. Gupta	£11	Monthly
Mr. Anand Vrat & Mrs. Renuka Chandan	£10	Monthly
Mr R Bali	£10	Monthly
Mr Joginder Pal Sethi	£10	Monthly
Mr Ram Sarup Kohli	£10	Monthly
Mr Swaraj Kumar	£7	Monthly
Mr Amit Khanna	£5	Monthly

Thank you for all your Donations!

**Please contact Acharya Dr Umeh Yadav on
0121 359 7727
for more information on**

- **Member or non member wishing to be a Yajman in the Sunday congregation to celebrate an occasion or to remember a departed dear one.**
- **Have Havan, sankars, naming, munden, weddings and Ved Path etc performed at home.**
- **Our premises will be licensed for the civil marriage ceremony.**
- **Please join in the Social group at Arya Samaj West Midlands every Wednesday from 11am. Emphasis is on keeping healthy and fit with yoga and Pranayam. Hot vegetarian Lunch is provided at 1pm.**
- **PLEASE NOTE - THERE WILL BE NO RADIO XL VED PRACHAR TALK BY ACHARYA DR UMESH YADAV. THIS HAS BEEN PROSPONED UNTIL MARCH 2020.**

Every effort has been taken that information given is correct and complete. But if any mistake is spotted please inform the office.

0121 359 7727

**E-mail- enquiries@arya-samaj.org
Website: www.arya-samaj.org**

Appeal for donation to
Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands
By Standing Order

Dear Members

Sadar Namaste

I hope you are keeping well and in good spirits.

I wrote to you on 15th January 2018 about purchase and refurbishment of our new head quarter of Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands at Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR.

I am pleased to inform you that about £60,000 has been donated by generous members and friends of our Arya Samaj. About 90% of building works and refurbishments are complete now.

Now I would like to tell you about present financial facts of our Arya Samaj.

Every year we need about £35,000 funds in order to run our Arya Samaj on sound financial grounds.

According to our audited accounts, presented in AGM on 28th July 2019, we paid £22,584 in wages to our Minister of Religion (Acharya ji), a part time Manager and cleaners. £1816 was paid for Insurance cover, about £2100 for providing Rishi Langar on Sundays when there is no sponsor.

We pay annually £3000 on average for “Arya Voice”, our Monthly bulletin. On top of all this Gas and Electric bills have to be paid every month. One of our main sources of Income, Matrimonial services, was down to only £8370 for year 2018-19.

Recently I visited Hare Rama Hare Krishna temple in Watford. I

saw three big boards in a hall with about 300 names on these boards. At the top it said "PATRONS OF BHAKTIVEDANTA MANOR". These were the names of Annual donors. Their donations are used in maintenance of the building, big outside grounds and running various activities of the temple.

For any institution to survive and flourish REGULAR DONATION is essential.

I know that we are not as big a charity as Hare Rama Hare Krishna are. But we can run our Arya Samaj temple on the same thinking. We will definitely honour regular donors by putting their names on our big board in Swami Shraddhanand Hall.

All we need help from generous donors like you to donate on a regular basis in future.

Donations can be made by signing a Standing order to your Bank to pay £5, £10, £15 a month in to the

**The Co-operative Bank
Name of account of - Arya Samaj (Vedic Mission) West
Midlands Account number- 65839135,
Sort Code- 08.92.99.**

You can donate cash or by cheque if it suits you.

The money donated by you will help our present and future generations.

So please donate generously. No matter how small every donation will be highly appreciated.

Kind regards.

Yours sincerely

Dr. Narendra Kumar
Chairman

New Building Refurbishment Fund

In month of September following people have donated...

<u>NAME</u>	<u>DONATION</u>
NEW DONATIONS:-	
Mr. Anand Vrat Chandan & Mrs. Renuka Chandan	£1100

TOTAL SO FAR - £61,419.15

Thank you!

Haven't Donated Yet ????

**Those of you who would like to donate money to
"Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands"
New building fund please do so now!!!**

Your help is highly appreciated.

**By cheque - Payable to 'Arya Samaj West Midlands' and
send back to us at 321 Rookery Road, Handsworth,
Birmingham, B21 9PR**

or

**Bank Transfer – The Co-operative Bank
Name of account – Arya Samaj (Vedic Mission) West
Midlands**

Account number – 65839135

Sort Code – 08.92.99

Fee for services provided by Arya Samaj West Midlands

- Ordinary membership fee is £20 for 12 months.
- Renewal for ordinary members of ASWM will get reminder letter for their membership fee of £20 each year.
- Matrimonial Service - £90 for 12 months
- Hire of our hall –
 - Maharshi Dayanand Hall - £500 for 4 hours & £100 hourly.
 - Swami Shraddhanand Hall - £400 for 4 hours & £50 hourly.

Donations to Arya Samaj for Priest Service.

- Marriage Ceremony performed by our priest - £400.
- Havan performed at home by our priest –
 - Birmingham and Surrounding Areas - £51
 - 12 Miles Outside of Birmingham - £101
- Cremation & Shanti Havan performed by our priest –
 - Birmingham and Surrounding Areas - £150
 - 12 Miles Outside of Birmingham - £200
 - Shanti Havan at Arya Samaj after cremation - £100

Happy Diwali



**Dear Arya Samaj West Midlands Members
And
Friends**

**On this auspicious festival of lights, May the
glow of joy, prosperity, and happiness
Illuminate your life and your home.**

**Wishing everyone a Happy Diwali and a
Prosperous New Year!**

